डेरी विकास विभाग,– उत्तराखण्ड

विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2023–24) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

(धनराशि हजार ` में)

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		01.4.2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2023 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु सम्भावित समयावधि
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	निदेशन एवं प्रशासन	कार्मिकों के वेतन, भत्ते तथा कार्यालय संचालन हेतु सहायता	153100.00	–	159 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया गया।	164 विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों के वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	26 नये कर्मिकों की नियुक्ति/ पदोन्नति की जायेगी।	विभागीय अधिकारिया व कार्मिकों की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
राज्य योजना (चालू योजना)									
1.	डेरी विकास योजना	दुग्ध संघों में अवस्थापना विकास तथा अन्य आवर्ती व्यय में सहायता प्रदान करना।	48000.00	–	1. 1450 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया गया। 2. दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 25 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया गया। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 24000 सदस्य लाभान्वित। 4. सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण एवं कार्य संचालन किया गया।	1 1450 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2 दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 30 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया जायेगा। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 26000 सदस्य लाभान्वित होगें। 4. 250 दुग्ध उत्पादकों व 60 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण। 5. सेन्ट्रल डेरी लैब का सुदृढ़ीकरण एवं कार्य संचालन किया जायेगा।	1. 1600 समिति सचिवो को प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जायेगा। 2. दुग्ध संघों के अन्तर्गत नियुक्त 40 ग्रुप सचिवों को मानदेय का भुगतान किया जायेगा। 3 दुग्ध उपार्जन पर हो रहे यातायात व्यय से 28000 सदस्य लाभान्वित होगें। 4. 500 दुग्ध उत्पादकों व 100 विभागीय कार्मिकों का प्रशिक्षण।	1. दुग्ध उपार्जन में वृद्धि। 2. दुग्ध संघों में नियुक्त ग्रुप सचिवों के रूप में रोजगार का सृजन। 3. पर्वतीय क्षेत्रों में सुदूरवर्ती ग्रामों में दुग्ध समितियां स्थापित कर रोजगार सृजित होगा।	01 वर्ष
			–	14000.00	पशु आहार निर्माणशाला में 02 साईलेज निर्माण इकाई की स्थापना की गयी है।	1. पशु आहार निर्माणशाला में 02 साईलेज निर्माण इकाई की स्थापना की गयी है। 2. जनपद अल्मोडा में भूसा गोादाम तथा जनपद ऊधमसिंह नगर में वाटर साफटनर प्लान्ट की स्थापना की जायेगी।	500 दुग्ध समितियों के अन्तर्गत डाटा टांस्फर हेतु IOT डिवाइस स्थापित किये जायेगे।	1. योजना व दुग्ध मूल्य भुगतान का डी0बी0टी सम्भव होगा। 2. डाटा उपलब्ध होने के पश्चात प्रबन्धन द्वारा दुग्ध उतपादकों के हित में त्वरित निर्णय लिया जा सकेगा।	01 वर्ष

2.	महिला डेरी विकास योजना	महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान करते हुए विकास की मुख्य धारा में जोड़ना।	46000.00	–	1. ग्राम स्तर पर 28 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया गया। 2. 560 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा गया। 3. 28 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। 4. 560 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया गया।	1. ग्राम स्तर पर 36 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 720 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 36 महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। 4. 720 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया जायेगा।	1. ग्राम स्तर पर 36 महिला दुग्ध समितियों का गठन किया जायेगा। 2. 1080 महिला दुग्ध उत्पादकों को समितियों से जोड़ा जायेगा। 3. 36महिलाओं को ग्राम स्तर पर प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध होगा। 4. 1080 महिला सदस्यों का प्रशिक्षण कराया जायेगा।	1. महिलाओं को आय के साधन सुलभ होने से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। 2.महिलाओं में नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं आत्म निर्णय की भावना जागृत होगी।	01 वर्ष
3.	सहकारी डेरी प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना	राज्य के परिप्रेक्ष्य में दुग्ध उत्पादकों को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से सम्बन्धित जानकारियां उपलब्ध कराना।	–	5100.00	1. जनपद नैनीताल में स्थापित सहकारी प्रशिक्षण संस्थान में पुस्तकालय तथा ट्रेनिंग हॉल से संबंधित कार्य किया गया।	–	प्रशिक्षण संस्थान में आवश्यक अवस्थापनाओं का विकास किया जायेगा।	1. दुग्ध उत्पादक राज्य की जलवायु के अनुसार पशुपालन एव दुग्ध उत्पादन में प्रशिक्षत होगें। 2. परीक्षण उपरान्त दुग्ध उत्पादकों को हो रही व्यवहारिक कठिनाईयों का समाधान हो सकेगा।	01 वर्ष
4.	दुग्धशाला का सुदृढ़ीकरण	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में दुग्धशालाओं का सुदृढ़ीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता विस्तार करना।	–	10000.00	दुग्ध संघ देहरादून में विद्युत भार में वृद्धि हेतु आवश्यक अवस्थापना कार्य कराया गया।	दुग्ध संघ नैनीताल, उधमसिंहनगर तथा देहरादून में टेंकर वेईंग ब्रिज की स्थापना की जाएगी।	1 दुग्ध संघों के अंतर्गत मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों के निर्माण, भण्डारण तथा विपणन हेतु आवश्यक अवस्थापना का विकास किया जाएगा।	दुग्ध संघों में मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों के निमार्ण तथा विपणन से दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
5.	दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन	ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु दुग्ध उत्पादकों को उनके द्वारा दुग्ध समिति में उपलब्ध कराये जा रहे दूध के आधार पर प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाना।	370000.00	–	52367 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी।	53,000 दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	54 हजार दुग्ध उत्पादक सदस्यों को दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन राशि प्रदान की जायेगी।	1 दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि तथा अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादक दुग्ध समितियों से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित होगें।	01 वर्ष
6.	गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना	ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन करना।	30000.00	–	–	दुग्ध सहकारी समितियों की 626 महिला/बेरोजगार नवयुवकों/सामान्य सदस्यों को 1788 उच्च नस्ल दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन किया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों की 1000 महिला/सामान्य सदस्यों को 2500 उच्च नस्ल दुधारू पशु उपलब्ध कराते हुए रोजगार सृजन	1. ग्रामीण महिलायें/दुग्ध उत्पादक आर्थिक रूप से स्वावलम्बी होगें। 2. दुग्ध समितियों के अन्तर्गत उपार्जन में वृद्धि होगी।	01 वर्ष

							किया जायेगा।		
7.	दुग्ध संघ कार्मिकों हेतु स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना	रूग्ण दुग्ध संघों के कार्मिकों को स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति प्रदान कर सम्बन्धित दुग्ध संघों के आवृत्ति व्यय में कमी स्थायी कमी करना।	1.00	–	–	दुग्ध संघ टिहरी गढ़वाल के सेवानिवृत्त 06 कार्मिकों के अवशेष वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	दुग्ध संघ श्रीनगर गढ़वाल के सेवा निवृत्त कार्मिकों के अवशेष वेतन भत्तों का भुगतान किया जायेगा।	दुग्ध संघ आर्थिक रूप से सृदृढ़ होगे।	01 वर्ष
8.	साईलेज एवं दुधारू पशु पोषण योजना/घस्यारी कल्याण योजना	दुग्ध सहकारी समिति के सदस्यों तथा अन्य पशु पालकों द्वारा पाले जा रहे दुधारू पशुओं हेतु हरे चारे की वर्ष भर व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए उनको उचित पोषण उपलब्ध कराना।	150000.00	–	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 1500 मै0 टन साईलेज, 410 कु0 मिनिरल मिक्सचर, 500 कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 15600 कु0 काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया गया साथ ही 8800 मै0टन0 पशुआहार पर रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया गया।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 2500 मै0 टन साईलेज, 570 कु0 मिनिरल मिक्सचर, 800 कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 26100 कु0 काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया गया साथ ही 12000 मै0टन0 पशुआहार पर रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों तथा अन्य पशुपालकों के दुधारू पशु को कुल 30000 मै0 टन साईलेज 75 प्रतिशत अनुदान पर, 1000 कु0 मिनिरल मिक्सचर, 1500 कि0ग्रा0 प्रोबाइटिक्स एवं 8000 मै0टन काम्पेक्ट फीड ब्लाक 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जायेगा साथ ही 20000 मै0टन0 पशुआहार पर रू0 04.00 व रू0 06.00 प्रतिकिग्रा0 अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।	दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष
9.	पशुचारा परिवहन अनुदान योजना	ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों द्वारा उपयोग किये जा रहे पशुचारे में परिवहन व्यय के कारण होने वाली मूल्य वृद्धि को नियंत्रित कर संतुलित पशुचारे एवं साईलेज की मांग को बढ़ाना।	30000.00	–	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 1500 मै0 टन साईलेज, 15600 कु0 काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 8800 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया गया।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 2500 मै0 टन साईलेज, 26100 कु0 काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 12000 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया जायेगा।	दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों के दुधारू पशु को 5000 मै0 टन साईलेज, 5000 कु0 काम्पेक्ट फीड ब्लाक एवं 20000 मै0टन0 पशुआहार के परिवहन व्यय का भुगतान किया जायेगा।	दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ उनकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ेगी।	01 वर्ष
10.	नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित (RIDF) योजना	राज्य में गठित दुग्ध संघों एवं उनके दुग्ध अवशीतन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण तथा नये दुग्ध अवशीतन केन्द्रों की स्थापना	–	2,50,000.00	दुग्ध अवशीतन केन्द्रों का निमार्ण तथा दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया गया।	दुग्ध अवशीतन केन्द्रों तथा दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया जायेगा।	नैनीताल दुग्ध संघ की दुग्धशाला का निमार्ण तथा विभिन्न दुग्ध संघों की क्षमता में विस्तार किया जायेगा।	दुग्ध संघों व दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
11.	डेरी विकास विभाग,	निदेशक डेरी विकास विभाग का	–	5000.00	–	निदेशालय भवन निर्माण का कार्य	निदेशालय भवन	–	02 वर्ष

	निदेशालय निर्माण कार्य	अपना कोई कार्यालय भवन उपलब्ध नही है, कार्यालय भवन की स्थापना				प्रारम्भ किया जायेगा।	निर्माण का कार्य किया जायेगा।		
12	केन्द्रीय योजनाओं में राज्य का अंश (C.S.S.)	भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय डेरी विकास योजना की राज्यांश की व्यवस्था की जाती है।	–	1,00,000.00	–	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना के अन्तर्गत दुग्ध संघों में प्रयोगशाला निर्माण तथा उच्चीकरण का कार्य किया जाएगा।	राष्ट्रीय डेरी विकास योजना के अन्तर्गत विभिन्न चारा विकास कार्यक्रम संचालित किए जाऐंगे।	दुग्ध संघों व दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
13	पशुचारा बीज वितरण	प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को उच्च चारा प्रजाति के बीज वितरित किये जोयगे।	20000.00		–	–	प्रदेश के दुग्ध उत्पादकों को उच्च चारा प्रजाति के बीज वितरित किये जोयगे।	प्रदेश में पशुचारे की कमी दूर होगी एवं दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष
14	डेरी विकास ए0डी0बी0 वित्तपोषण	एशियन डेवेलपमेन्ट बैंक द्वारा डेरी विकास के विभिन्न कार्यक्रमों संचालित किये जायेगे।	120000.00		–	–	एशियन डेवेलपमेन्ट बैंक द्वारा डेरी विकास के विभिन्न कार्यक्रमों संचालित किये जायेगे।	प्रदेश में डेरी क्षेत्र का विकास होगा एवं दुग्ध संघों व दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि होगी।	01 वर्ष